हिन्दी

अध्याय-17: साँस-साँस में बाँस

SHIVOM CLASSES 8696608541

-एलेक्स एम. जॉर्ज

सारांश

प्रस्तुत पाठ में लेखक ने बाँस की विशेषता का विस्तार से वर्णन किया है। लेखक ने निबंध के प्रांरभ में एक जादूगर चंगकी चंगलनबा के बारे में बताया है। जिसने अपने मरने पर कहा था कि यदि उसकी कब्र को छठे दिन खोदा जाय, तो वहाँ कुछ नया पाओगे। लोगों ने छठे दिन जब उसकी कब्र खोदी, तो वहाँ बाँस कि टोकरी के कई डिजाइन मिलें। लोगों ने इसकी नकल करना सीखा, साथ ही कुछ नए डिजाइन भी इजाद किये।

बाँस पूरे भारत में होता है। बाँस मुख्य रूप से भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्रों के 7 राज्यों में अत्यधिक मात्रा में उगता है। अत: वहाँ पर बाँस की चीजों को बनाने का प्रचलन बहुत है।

मनुष्य तब से बाँस की चीजें बना रहा है जब से कलात्मक चीजें बन रही हैं। उसने शायद बया के घोंसलें से बुनावट की तरकीब सोची होगी। बाँस से कई तरह की चीजें बनाई जाती हैं। यहाँ के लोग बाँस से कई तरह की चीजें बनाकर अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं। वे लोग बाँस से कई तरह की चटाईयाँ, टोपियाँ, बर्तन, फर्नीचर और घर का सजावटी सामान बनाते हैं। असम में बाँस की खपच्चियों से से मछली पकड़ने का जाल बनाया जाता है। चाय के बागानों में काम करने वालों के लिए टोपियाँ और टोकरियाँ भी बाँस से बनाई जाती है।

जुलाई से अक्टूबर तक अत्यधिक वर्षा होती है। वहाँ के लोगों के पास उस समय अधिक काम नहीं होता। इस कारण इन लोगों के पास जंगल से बाँस लाने और उससे सामान बनाने का सही समय होता है। एक से तीन साल वाले बाँसों का उपयोग सामान बनाए जाने के काम में आते हैं। बाँस से शाखाओं और पत्तियों को अलग कर दिया जाता है। दाओ से छीलकर इनकी खपच्चियाँ तैयार कर लीं जाती हैं। खपच्चियों की लंबाई अलग-अलग होती है। टोकरी या आसन बनाने के लिए अलग-अलग लंबाई की खपच्चियाँ काटी जाती हैं। इनकी चौड़ाई एक इंच से ज्यादा नहीं होती है। खपच्चियों को चीरने के लिए भी हुनर चाहिए। इस हुनर को सीखने में समय लगता है। टोकरी बनाने के लिए खपच्चियों को चिकना बनाया जाता है। इसके बाद गुड़हल, इमली की पत्तियों से रंगा जाता है। बाँस की बुनाई साधारणत: ही होती है। इसे आड़ा-तिरछा रखा जाता है। चैक का डिजायन बनता है। टोकरी के सिरों पर खपच्चियों को या तो चोटी की तरह गूँथ लिया जाता है। या कटे सिरों को नीचे की ओर मोड़कर फँसा दिया

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

जाता है। इस प्रकार टोकरी तैयार हो जाती है। इसे बाजार में बेचा जा सकता है या फिर घर के कामों में प्रयोग किया जा सकता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

निबंध से प्रश्न (पृष्ठ संख्या 122)

प्रश्न 1 बाँस को बूढ़ा कब कहा जा सकता है? बूढ़े बाँस में कौन सी विशेषता होती है जो युवा बाँस में नहीं पाई जाती?

उत्तर- तीन वर्ष से अधिक उम्र वाले बाँस को बूढ़ा बाँस कहा जाता है। बूढ़ा बाँस बड़ा ही सख्त होता है और जल्दी टूट जाता है उसके विपरीत युवा बाँस मुलायम होता है और उसे किसी भी आकार में मोड़ा जा सकता है।

प्रश्न 2 बाँस से बनाई जाने वाली चीज़ों में सबसे आश्चर्यजनक चीज़ तुम्हें कौन सी लगी और क्यों?

उत्तर- बाँस से बनाई जाने वाली चीज़ों में सबसे आश्चर्यजनक चीज़ मुझे मछली पकड़ने वाला जाल (जकाई) लगी। असम में जकाई नामक विशेष जाल से मछली पकड़ी जाती है और इसे बॉस से बनाया जाता है। इसकी शंकू जैसी विशेष बनावट के कारण ये आश्चर्यजनक लगता है।

प्रश्न 3 बाँस की बुनाई मानव के इतिहास में कब आरंभ हुई होगी?

उत्तर- कहा जाता है कि इंसान ने जब हाथ से कलात्मक चीज़ें बनानी शुरू कीं, बाँस की चीज़ें तभी से बन रही हैं। जरूरत के अनुसार इसमें बदलाव हुए हैं और अब भी हो रहे हैं। कहते हैं कि बाँस की बुनाई का रिश्ता उस दौर से है, जब इंसान भोजन इकट्ठा करता था। शायद भोजन इकट्ठा करने के लिए ही उसने ऐसी डलियानुमा चीज़ें बनाई होंगी। क्या पता बया जैसी किसी चिड़िया के घोंसले से टोकरी के आकार और बुनावट की तरकीब हाथ लगी हो!

प्रश्न 4 बाँस के विभिन्न उपयोगों से संबंधित जानकारी देश के किस भू-भाग के संदर्भ में दी गई है? एटलस में देखो।

उत्तर- बाँस भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के सात राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैण्ड, मणिपुर, मिजोरम, व त्रिपुरा में बहुत पैदा होता है।

निबंध से आगे प्रश्न (पृष्ठ संख्या 122-123)

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 1 बॉस के कई उपयोग इस पाठ में बताए गए हैं। लेकिन उसके उपयोग का दायरा बहुत बड़ा है। नीचे दिए शब्दों की मदद से तुम इस दायरे को पहचान सकते हो-

संगीत, मच्छर, फर्नीचर, प्रकाशन, एक नया संदर्भ

उत्तर-

संगीत	-	बाँसुरी
मच्छर	-	बाँस की पत्तियाँ
फर्नीचर	-	घर का सजावटी सामान
प्रकाशन	-	कागज बनाना
एक नया संदर्भ	-	अचार, मकान, औज़ार आदि

प्रश्न 2 इस लेख में दैनिक उपयोग की चीज़ें बनाने के लिए बाँस का उल्लेख प्राकृतिक संसाधन के रूप में हुआ है। नीचे दिए गए प्राकृतिक संसाधन से दैनिक उपयोग की कौन-कौन सी चीज़ें बनाई जाती है-

चमड़ा, घास के तिनके, पेड़ की छाल, गोबर, मिट्टी।

उत्तर-

प्राकृतिक संसाधन	-	दैनिक उपयोग की वस्तुएँ
चमड़ा	-	जूते, पर्स, वस्त्र, बैग, थैले, बेल्ट आदि।
घास के तिनके	-	जमीन पर बिछाने वाले आसन, टोकरियाँ, चटाईयाँ आदि।
पेड़ की छाल	-	अगरबत्ती, कागज आदि।
गोबर	-	उपले, दवाइयाँ, खाद आदि।
मिट्टी	-	बर्तन, मूर्तियाँ आदि।

प्रश्न 3 जिन जगहों की साँस में बाँस बसा है, अखबार और टेलीविजन के ज़रिए उन जगहों की कैसी तसवीर तुम्हारे मन में बनती है?

SHIVOM CLASSES 8696608541

उत्तर- हमें लगता है कि वहाँ दूर-दूर तक बाँस ही बाँस उगा होगा। वहाँ लोग समूहों में बाँस से सामान बना रहे होगें। उनके घर की प्रत्येक वस्तु बाँस से बनी होगी। उनके घर, बर्तन, व्यंजन सबके अंदर बाँस का प्रयोग होता होगा। यह कल्पना हमें रोमांचित कर देती है। मुझे वहाँ जाने का मन करता है।

अनुमान और कल्पना प्रश्न (पृष्ठ संख्या 123)

प्रश्न 1

a. इस पाठ में कई हिस्से हैं जहाँ किसी काम को करने का तरीका समझाया गया है? जैसे- छोटी मछलियाँ को पकड़ने के लिए इसे पानी की सतह पर रखा जाता है या फिर धीरे-धीरे चलते हुए खींचा जाता है। बाँस की खपच्चियों को इस तरह बाँधा जाता है कि वे एक शंकु का आकार ले लें। इस शंकु का ऊपरी सिरा अंडाकार होता है। निचले नुकीले सिरे पर खपच्चियाँ एक-दूसरे में गुँथी हुई होती हैं।
   इस वर्णन को ध्यान से पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर अनुमान लगाकर दो। यदि अंदाज़ लगाने में दिक्कत हो तो आपस में बातचीत करके सोचो-
   बाँस से बनाए गए शंकु के आकार का जाल छोटी मछलियों को पकड़ने के लिए ही क्यों इस्तेमाल किया जाता है?
b. शंकु का ऊपरी हिस्सा अंडाकार होता है तो नीचे का हिस्सा कैसा दिखाई देता है?
c. इस जाल से मछली पकड़ने वालों को धीरे-धीरे क्यों चलना पड़ता है?

SHIVOM CLASSES 8696608541

उत्तर-

a. छोटी मछलियाँ अपने आकार के कारण सरलतापूर्वक जाल से निकल जाती हैं। इसके विपरीत यदि किसी चौड़े जाल में रखा जाएगा, तो वे उछल के बाहर आ जाएँगी। शंकु के आकार के जाल में से पानी सरलता से निकल जाता है। मछलियाँ इसके छिद्रों से बाहर नहीं निकल पाती हैं। यह थोड़ा गहरा होता है, अतः मछली इसके तल में रह जाती हैं और उछलकर बाहर नहीं आ पाती हैं

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

b. शंकु का ऊपरी हिस्सा अंडकारा होता है, तो नीचे का हिस्सा नुकीला होतो है। यह एक त्रिभुज के समान दिखाई देता है। 'V' इस चिह्न के समान दिखाई देगा।

c. इस तरह धीरे-धीरे चलकर जाल को खींचा जाता है। मछलियाँ जाल में फंस जाती हैं।

शब्दों पर गौर प्रश्न (पृष्ठ संख्या 123)

प्रश्न 1 इन वाक्यांशों का वाक्यो में प्रयोग करो।

हाथों की कलाकारी	घनघोर बारिश	बुनाई का सफ़र
आड़ा-तिरछा	डलियानुमा	कहे मुताबिक

उत्तर-

1. हाथों की कलाकारी- तुमने बहुत सुंदर मेज़पोश बनाया है। तुम्हारे हाथों की कलाकारी को मानना पड़ेगा।
2. घनघोर बारिश- आज दिल्ली में घनघोर बारिश हो रही है।
3. बुनाई का स़फर- मेरी बुनाई का सफ़र 20 साल पुराना है।
4. आड़ा-तिरछा- ढंग से बनाओ। ये क्या आड़ा-तिरछा बना रहे हो।
5. डलियानुमा- मेरे पास डलियानुमा बर्तन है।
6. कहे मुताबिक- गोविंद को मेरे कहे मुताबिक चलना पड़ेगा।

व्याकरण प्रश्न (पृष्ठ संख्या 123-124)

प्रश्न 1 'बनावट' शब्द 'बुन' क्रिया में 'आवट' प्रत्यय जोड़ने से बनता है। इसी प्रकार नुकीला, दबाव, घिसाई भी मूल शब्द में विभिन्न प्रत्यय जोड़ने से बने हैं। इन चारों शब्दों में प्रत्ययों को पहचानो और उन से तीन-तीन शब्द और बनाओ। इन शब्दों का वाक्यों में भी प्रयोग करो-

बुनावट	नुकीला	दबाव	घिसाई

उत्तर-

(i)	बुनावट	-	बुन + आवट	:-	सजावट	बनावट	मिलावट
(ii)	नुकीला	-	नुक + ईला	:-	रंगीला	सजीला	नशीला

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(iii)	दबाव	-	दब + आव	:-	चुनाव	सुझाव	बनाव
(iv)	घिसाई	-	घिस + आई	:-	पढ़ाई	भलाई	रूलाई

प्रश्न 2 नीचे पाठ से कुछ वाक्य दिए गए हैं-

a. वहाँ बाँस की चीज़ें बनाने का चलन भी खूब है।
b. हम यहाँ बाँस की एक-दो चीज़ों का ही ज़िक्र कर पाए हैं।
c. मसलन आसन जैसी छोटी चीज़ें बनाने के लिए बाँस को हरेक गठान से काटा जाता है।
d. खपच्चियों से तरह-तरह की टोपियाँ भी बनाई जाती हैं।

उत्तर-

a. बाँस की चीज़ें बनाने का चलन भी वहाँ खूब है।
b. हम जिक्र ही बाँस की एक-दो चीज़ों का कर पाए।
c. हरेक गठान से बाँस को काटा जाता है: मसलन आसन जैसी छोटी चीज़ें बनाने के लिए।
d. तरह-तरह की टोपियाँ भी खपच्चियों से बनाई जाती हैं।

प्रश्न 3 तर्जनी हाथ की किस उँगली को कहते हैं? बाकी उँगलियों को क्या कहते हैं? सभी उँगलियों के नाम अपनी भाषा में पता करो और कक्षा में अपने साथियों और शिक्षक को बताओ।

उत्तर- हिन्दी में सभी उँगलियों के नाम इस प्रकार हैं।–

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अंगुष्ठा	-	अंगुठा
तर्जनी	-	अंगुठे के साथ वाली उगंली
मध्यमा	-	बीच वाली उगंली
अनामिका	-	जिसमें सगाई की अंगुठी पहनाई जाती है
कनिष्ठा	-	छोटी उगंली

प्रश्न 4 अंगुष्ठा, तर्जनी, मध्यमा, अनामिका, कनिष्ठा- ये पाँच उँगलियों के नाम हैं। इन्हें पहचान कर सही क्रम में लिखो।

उत्तर-

अंगुष्ठा	-	अंगुठा
तर्जनी	-	अंगुठे के साथ वाली उगंली
मध्यमा	-	बीच वाली उगंली
अनामिका	-	जिसमें सगाई की अंगुठी पहनाई जाती है
कनिष्ठा	-	छोटी उगंली

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)